

न्यायालय मध्य प्रदेश राजस्व मण्डल ग्वालियर म.प्र.

प्र.क- **12017 (रेस्टोरेशन) 9022 - 117**

श्री. आर.के. मिश्रा - आवेदकगण.....
द्वारा आज दि. 18/01/17 को
प्रस्तुत
चलक ऑफ कोर्ट 117
राजस्व मण्डल म.प्र.

1. सुरेश पुत्र श्री लाल जी जाति चिडार आयु - 50 वर्ष,
2. लालाराम पुत्र श्री लाल जी जाति चिडार आयु - 35 वर्ष
निवासीगण - ग्राम करैयराय तहसील व जिला अशोकनगर म.प्र.

बनाम

रेस्पोंडेंट्स.....

मुकेश पुत्र श्री कुन्डू जाति चमार आयु - 10 वर्ष नाबालिग
सरपरस्त पिता कुन्डू पुत्र श्री गब्दू जाति चमार निवासी -
ग्राम करैयराय तहसील व जिला अशोकनगर म.प्र.

(R.K. Mishra) 18/01/17

आवेदन पत्र वास्ते निगरानी क्रमांक आर-529-11/2009 को पुनः सुनवाई पर लिए जाने वावत्

आवेदक/निगरानीकर्तागण की ओर से उक्त आवेदन निम्नानुसार सादर प्रस्तुत है।-

- 1- यहकि आवेदकगण द्वारा माननीय न्यायालय के समक्ष दिनांक 15.05.2009 को माननीय अपर आयुक्त महोदय ग्वालियर के प्रकरण क्रमांक 537/05-06 अपील में पारित आदेश दिनांक 13.03.2009 के विरुद्ध निगरानी प्रस्तुत की गई थी, जो कि माननीय न्यायालय द्वारा दिनांक 02.11.2016 को अनुपस्थिती में निरस्त की गई है
- 2- यहकि, उक्त प्रकरण में माननीय न्यायालय के समक्ष सुनवाई हेतु दिनांक 02.11.16 नियत थी, उक्त दिनांक को निगरानीकर्तागण एवं उनकी ओर से कोई अधिवक्ता भी माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हो सके क्यों कि निगरानीकर्तागण जिला अशोकनगर के निवासी हैं वह प्रत्येक पेशी पर माननीय न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने में असमर्थ हैं क्यों कि अशोक नगर से ग्वालियर की दूरी लगभग 400 किमी है।

श्री

Xxxix(a)-BR(h)-11

राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश - ग्वालियर

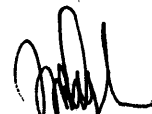
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ-----

प्रकरण क्रमांक २२५ १०२२-ए/१७

जिला ~~बल्लार~~ ^{दक्षिण}

ध्यान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं आदि के हस्ता
19-1-17	<p>राजस्व मण्डल, म०प्र० ग्वालियर द्वारा पारित आदेश दिनांक 2-11-16 से प्रकरण क्रमांक 529-दो/09 निगरानी अदम पैरबी में निरस्त हुआ है, जिसके पुर्नस्थापन हेतु यह आवेदन म०प्र०भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 35(3) के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है।</p> <p>2/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार किया गया एवं उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन परिशीलन किया गया। न्याय की धारणा है कि अभिभाषक की त्रुटि के लिये पक्षकार दण्डित नहीं होना चाहिये। अतः इसे ध्यान में रखते हुये प्रकरण क्रमांक 529-दो/09 निगरानी पुर्नस्थापित किया जाता है। पुर्नस्थापन प्रकरण में कोई कार्यवाही शेष न रहने से इसी-स्तर पर समाप्त किया जाता है। आदेश की एक प्रति प्रकरण क्रमांक 529-दो/09 निगरानी में संलग्न की जावे।</p>	

f
1/12


सदस्य